GENERAL STUDIES (Test–1)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/22 (J-A)–M–**GSM (M-I)-2201**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Ganpat Ram Yadav **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Reg. Number:** _____

Center & Date: _____ **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

A3

drishti

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

प्रिय विद्यार्थी,

* सभी प्रश्नों के स्तर पर संदर्भ दक्षता अच्छी है प्रश्न क्रमांक 17 और 18 के स्तर पर विशेष अभ्यास करें।
* उत्तरों में परिचय को लिखने का प्रयास अच्छा है किंतु इन्हें और प्रश्नसंगत व प्रभावी बनाने का प्रयास करें।
* प्रश्न क्रमांक 1, 6, 12, 14 व 19 के अलावा अन्य प्रश्नों के स्तर पर विषयवस्तु दक्षता में बेहतरी हेतु और अभ्यास करें।
* भाषा-प्रवाह अच्छा है।
* समग्र संतुलित व सुझावात्मक निष्कर्षों को लिखने का प्रयास करें।
* प्रस्तुति दक्षता ठीक है। उत्तरों में और उत्कृष्टता हेतु अभ्यास की निरंतरता बनाए रखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti

1. स्वतंत्र भारत में सहकारिता आंदोलन के उदय के लिये कौन से सामाजिक-आर्थिक कारक जिम्मेदार थे? साथ ही, इस आंदोलन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

What were the socio-economic factors responsible for the emergence of the cooperative movement in post-independent India? Also, highlight the key characteristics of this movement. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जब किसी क्षेत्र के लोग अपनी इच्छानुसार आर्थिक व सामाजिक गतिविधियों में सहयोग करने एकजुट होते हैं, तो प्रगति या विकास के इस तरीके को सहकारिता कहते हैं।

भारत में सहकारिता आन्दोलन के उदय के लिए

जिम्मेदार सामाजिक-आर्थिक कारक

1. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
2. महात्मा गाँधी की "ट्रस्टीशिप" वाली सिद्धान्त
3. तत्कालीन परिस्थितियों में व्याप्त गरीबी व संसाधनों की कमी
4. जन-जागरूकता का प्रसार
5. बढ़ती हुई समाजवादी सोच
6. संविधान निर्माताओं द्वारा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti दृष्टि The Vision

सहकारिता को " राज्य के नीति निदेशक तत्वों " में शामिल करना आदि।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सहकारिता आन्दोलन की प्रमुख विशेषताएँ

1. आपसी सहयोग की भावना पर आधारित।

2. सम्पत्ति का साझा स्वामित्व

3. लाभ का परस्पर बँटवारा

4. किसी विशेष स्वामी या विशेषाधिकार की अनुपस्थिति

अत: सहकारिता एक सृजनशील सोच है, जहाँ से ग्रामीण क्षेत्रों व निम्न संसाधन वाले व्यक्ति समूह की प्रगति का अच्छा रास्ता निकल सकता है। उदा॰ अमूल की सफलता।

v.good

संदर्भ एवं विषयवस्तु रचना अच्छा एवं प्रभावी है

5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

2. स्वतंत्र भारत के बाद दलित आंदोलन के कई प्रवृत्तियों का उदय हुआ। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10
Post independent India witnessed emergence of multiple trends of Dalit movement. Analyse. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान भी दलित मुद्दा हमेशा साथ-साथ उठाया जाता रहा था, जिसके मुख्य पैरोकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर व महात्मा गाँधी थे।

भारतीय संविधान में पूना पैक्ट व अन्य बहुमुखी वार्ताओं के पश्चात दलितों को अलग से आरक्षण देने व विकास के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

संविधान में उल्लिखित मौलिक अधिकारों व राज्य की नीति के निदेशक तत्वों में दलितों के प्रति भेदभाव खत्म कर उन्हें उचित अवसर प्रदान करते हुए मुख्यधारा मे शामिल करना उल्लेखित है। इसके

- राज्यों मे दलित संगठनों का प्रभाव
- राजनीतिक पार्टियों का गठन जैसे- UP मे बसपा आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बावजूद स्वतंत्रता पश्चात भी दलित आन्दोलन समय-समय पर उभरते रहे जब-जब भी उन्हें मिले आरक्षण में बदलाव की बात सामने आई हो, या फिर "अनुसूचित जाति-जनजाति प्रताड़ना अधिनियम, 1989 में संशोधन की, आंदोलन खड़े हो गए।

वर्तमान में अधिकांश आवाजें राजनैतिक रूप से प्रोत्साहित उठी हैं, जो समाज में विभेद व दरार डालने वाली हैं। अतः राष्ट्र हित में एक साझी वार्ता के माध्यम से दलित समाज की उचित माँगों व मुद्दों को सुनकर यथोचित समाधान ढूंढने की महती आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप भारतीय समाज में पारंपरिक और आधुनिक मूल्यों के बीच टकराव हुआ है। क्या आप सहमत हैं? (150 शब्द) 10

Globalization has resulted in a clash between the traditional and modern values in Indian society. Do you agree? (150 Words) 10

मुख्य रूप से 1991 के आर्थिक संकट के पश्चात भारतीय समाज वैश्वीकरण के उन्मुख तेजी से बढ़ा है। जब किसी समाज का आर्थिक-सामाजिक व राजनैतिक संबंध अपनी राष्ट्र की सीमाओं से इतर विश्व व्यापी बढ़ने लगते हैं, तो उसे ही वैश्वीकरण कहा जाता है।

हालाँकि वैश्वीकरण से एक समाज का अन्य समाज की संस्कृति, परम्पराओं व तकनीकों के स्तर पर आदान-प्रदान होता है। इस आदान-प्रदान में नए अवसरों की खोज भी शामिल होती है और नव-सृजनशीलता का विकास होता है।

तथापि, वैश्वीकरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

समाज के कुछ वर्गों के लिए आपसी मूल्यों के बीच टकराव का कारण भी बन जाता है।

पारम्परिक व आधुनिक मूल्यों के बीच टकराव के कारण।

(1) परम्परागत समाज की खाद्य आदतें नवीन आदतों से असंगत होने पर।

(2) पहनावे के स्तर में नए बदलाव पर।

(3) धार्मिक रुझानों में बदलाव होने पर

(4) विवाह प्रणाली व रहन-सहन के परम्परागत तरीको से भिन्न होने पर, आदि (लिव-इन-रिलेशनशिप)

इस तरह उपरोक्त कारक वैश्वीकरण की वजह से पारम्परिक व आधुनिक मूल्यों में टकराव उत्पन्न करते हैं, जिन्हें मानवता की कसौटी पर रखकर परखना चाहिए व सकारात्मक बदलावों को स्वीकार कर लेना चाहिए।

सामंजस्य को कैसे बनाए रखें — पर्यावरण एवं प्रकृति से प्रेम को बढ़ाना — योग आदि।

सुझाव में एक का भी उल्लेख करें।

उदाहरण के साथ स्पष्ट करते हुए लिखें।

3.5/10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. ब्रिटिश भारत पर महामंदी के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the impact of the Great Depression on British India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सन् 1929 की वैश्विक महामंदी ने विश्व के लगभग सभी देशों को बुरी तरह से प्रभावित किया था।

इस महामंदी ने न केवल अमेरिका जैसे पूँजीवादी राष्ट्रों का घमण्ड तोड़ा, बल्कि रूसी संघ जैसे समाजवादी राष्ट्रों को तसल्ली भी दी।

ब्रिटिश भारत पर महामंदी के प्रभाव

1. महँगाई में अत्यधिक वृद्धि, मुख्य रूप से खाद्यान्नों में।
2. बैंकिंग व्यवस्था प्रभावित हुई, जिससे उद्योग क्षेत्र प्रभावित हुआ।
3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार जो कुछ था, उस पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. ब्रिटिश भारत में यह राष्ट्रीय आन्दोलन का दौर था। सविनय अवज्ञा आंदोलन देशव्यापी स्तर पर चल रहा था, ऐसे में वैश्विक महामंदी ने एक स्तर पर ब्रिटेन को ज्यादा प्रभावित कर भारतीय आन्दोलन को सहयोग किया।

5. भारतीय नीति निर्माता अब समाजवाद की तरफ ज्यादा उन्मुख हुए।

6. अमेरिकी ~~ms~~ आर्थिक मॉडल की तुलना में भारतीय लोग रूसी समाजवादी आर्थिक मॉडल की प्रशंसा करने लगे।

संदर्भ स्पष्ट एवं विषयवस्तु का लेखन बेहतर है

4.5/10

निष्कर्ष भी लिखें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत में भूमि सीमा कानूनों के विफल होने के कारणों का विश्लेषण कीजिये। साथ ही, भूमि सुधारों के उद्देश्यों को प्राप्त करने में भूदान आंदोलन की भूमिका का आकलन कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the reasons behind the failure of land ceiling legislations in India. Also, assess the role of the Bhoodan Movement in achieving the objectives of the land reforms. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भूमि सीमा/हदबंदी यह भूमि सुधार प्रक्रियाओं में से एक नीति थी, जिसके तहत एक निश्चित सीमा से अधिक भूमि स्वामित्व होने पर उसे भूमिहीन किसानों व श्रमिकों हेतु सरकार वापस ले रही थी।

चूँकि भूमि सीमा के तहत किसी भूस्वामी की जमीन ले लेना तत्कालीन संविधान प्रावधानों के अनुसार मौलिक अधिकारों का उल्लंघन था, ऐसे में न्यायालय द्वारा दिए फैसलों व संविधान संशोधन के उपरान्त आर्थिक समानता व सामाजिक कल्याण हेतु इन सुधारों को लागू किया गया, जिनमें आंशिक सफलता ही मिलने के निम्न कारण रहे —

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(1) बड़े भू-स्वामियों द्वारा अपने परिवार सदस्यों के नाम अलग-अलग जमीनें नाम कर दी, क्योंकि भूमि सीमा एक परिवार के लिए न होकर प्रति व्यक्ति के आधार पर थी।

(2) बेनामी भूमि खाते खोले गए।

(3) सरकारी तन्त्र में भ्रष्टाचार ने योजना को ठीक से क्रियान्वित नहीं होने दिया।

हालांकि तेलंगाना के पोचमपल्ली से श्री विनोबा भावे ने अपनी इच्छानुसार कुल जमीन का 1/6th भाग भूमिहीनों के निमित्त दान करने का समाजवादी आन्दोलन शुरू किया। करीब 20 हजार किसानों को जमीन आवंटित हुई। हालांकि भूदान आन्दोलन भी आंशिक सफल रहा, पर इसने बिना कानून के ही राष्ट्रीय स्तर पर गाँधीजी की "ट्रस्टीशिप सोच" का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. भारत में स्वतंत्रता के बाद से विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय आंदोलनों में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the role of women in various social, political and environmental movements since independence in India. (150 Words) 10

भारत वीर और वीरांगनाओं की भूमि रही है। वैदिक काल से लेकर आजादी के आन्दोलन तक हमेशा ही महिला शक्ति ने समाज में अपनी भूमिका अदा कर साबित किया है, कि यह देश महिला-पुरुष बराबरी की सोच से बेहतर प्रगति कर सकता है।

स्वतंत्रता बाद नर्मदा बचाओ आन्दोलन (मध्य भारत) हो, या उत्तराखंड में चिपको आन्दोलन, महिला नेतृत्व में (क्रमशः मेधा पाटकर और गौरा देवी) सफल आन्दोलन हुए और अँधाधुंध विकास की होड़ ने पर्यावरण को भी साथ लेकर संधारणीय विकास का मार्ग चुनने पर मजबूर किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पर्यावरणीय आन्दोलनों से इतर देश में राष्ट्रीय आपातकाल के बाद मायावती जैसी दलित महिला व ममता बनर्जी जैसी राजनेताओं ने सड़क पर उतरकर अपने आन्दोलन को आगे बढ़ाया।

वहीं दूसरी ओर RTI अधिनियम के पीछे लम्बा संघर्ष करने वाली समाज सेवी अरूणा रॉय के योदगान को कैसे भुलाया जा सकता है, जिनकी बदौलत न केवल नागरिक समाज को अधिकारों की सही समझ मिली, बल्कि समाज की औरतों व लड़कियों के लिए बड़ी प्रेरणा स्त्रोत बनीं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. क्या रूस 1917 की क्रांति से बच सकता था? यह क्रांति अपने वादों को पूरा करने में कहाँ तक सफल रही? (150 शब्द) 10

Could Russia have avoided revolution in 1917? How far was the revolution successful in fulfilling its promises? (150 Words) 10

~~रूस की~~ शासकों की तानाशाही से परेशान रूसी जनता, सामन्त 1917 आते-आते बुरी तरह से परेशान हो चुके थे।

न केवल रूसी जनता बड़ा आर्थिक संकट झेल रही थी, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता ने जनता को बुरी तरह शंकित कर रखा था।

हालांकि रूसी क्रांति एक सूरत में टल सकती थी यदि तत्कालीन शासक जनादेश को स्वीकार कर एक लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को स्वीकार कर लेते।

इस क्रांति के मूल उद्देश्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समता, समाजवाद, भाईचारा, स्वतंत्रता के न्याय आदर्श रहे। जिन्हे पूरा करने में यह क्रांति लगभग सफल रही। हालांकि कालान्तर में इस रूसी गणराज्य का विभाजन अवश्यंभावी था, जो हुआ और एक नया रूस बना।

रूसी क्रांति द्वारा प्राप्त विभिन्न अधिकारों जैसे - स्त्री-पुरुष समानता, मुफ्त शिक्षा की चर्चा करें ↓ इसके अप्राप्त परिणामों / नकारात्मक परिणामों की चर्चा का प्रयास करें और समग्रता के साथ उत्तर लेखन का प्रयास करें।

3/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. सोवियत संघ के पतन ने चमत्कारिक ढंग से शीत युद्ध की समस्या का समाधान किया लेकिन नई समस्याओं को भी प्रज्वलित किया। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The collapse of the USSR miraculously solved the problem of the cold war but ignited new problems too. Explain. (150 Words) 10

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के साथ ही विश्व की तत्कालीन दोनों महाशक्तियों के बीच शीत युद्ध शुरू हुआ, जो अन्तत: 1990 के दशक में रूसी संघ के विघटन पर ही समाप्त हुआ।

शीत युद्ध से तात्पर्य है, कि बिना आमने-सामने की सीमा पार लड़ाई के दोनों देश एक-दूसरे को दुश्मन समझ कर प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से हथियारों का जखीरा खड़ा करते रहे थे।

हालाँकि सोवियत संघ के पतन और अमेरिका के एकध्रुवीय विश्व शक्ति के रूप मे उभरने के साथ ही शीत युद्ध तो समाप्त हुआ, परन्तु निम्न नई समस्याऐं प्रज्वलित हो गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. अमेरिका का एकमात्र विश्वशक्ति रह जाना। जिससे विश्व में शक्ति संतुलन बिगड़ा।

2. भारत को भी धक्का लगा। क्योंकि भारत उसी नीति पर चल रहा था, जिस पर 1917 के बाद से रूसी संघ बढ़कर विश्वशक्ति बना था

3. रूस से अलग हुए कई स्वतंत्र राष्ट्रों में आर्थिक समस्या विकराल हुई और आतंकवाद बढ़ा।

4. अमेरिका का अन्य देशों, जैसे- इसराइल, ईरान, इराक, अफगानिस्तान में अनावश्यक हस्तक्षेप बढ़ा।

इस प्रकार 21वीं सदी के आते-आते पुनः अमेरिकी विश्वशक्ति को चुनौती मिलनी शुरू हो गई।

4½/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. भारत की महिलाओं की स्थिति में सुधार गरीबी उन्मूलन में अत्यधिक योगदान दे सकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Improving the condition of women of India can immensely contribute to poverty alleviation. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एक महिला मात्र एक अकेली अस्तित्वमान मानव जीव नहीं है, बल्कि हमेशा उससे उसके बच्चे भी घनिष्ठ रूप से सह-संबंधित होते हैं।

माँ (महिला) का स्वास्थ्य यदि कमजोर है, कुपोषण की समस्या से ग्रसित है, तो निश्चित ही होने वाले बच्चे भी कमजोर व कुपोषित होंगे, जो अंततः बेहतर मानव पूँजी नहीं बन पाएंगें।

अतः महिलाओं की समाज में आर्थिक-सामाजिक-राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरना निम्न प्रकार से गरीबी उन्मूलन में योगदान कर सकता है —

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

(1) स्वस्थ महिला मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चों को जन्म देगी

(2) स्वास्थ्य सुविधाओं पर धन खर्च में कमी आएगी।

(3) शिक्षित महिला बच्चों को बेहतर नैतिक व तकनीकी शिक्षा देकर बेहतर मानव पूँजी का निर्माण कर सकती है, जो अन्ततः आर्थिक दृष्टि से राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे।

(4) महिला यदि परिवार में मुख्य जीविकोपार्जक है, तो वह हमेशा ही मितव्ययी होगी व पुरुषों की तुलना में परिवार में दुर्व्यसनों नशा इत्यादि में लिप्तता कम मिलेगी।

इस तरह महिला शक्ति न केवल बेहतर नैतिक मूल्यों वाला भारत बना सकती है, बल्कि गरीबी मुक्त भारत भी।

अन्य क्षेत्रों में भी महिलाओं की भूमिका और गरीबी उन्मूलन की चर्चा की जा सकती है - कृषि - कुटीर उद्योग - राजनीतिक प्रतिनिधित्व etc.

4/10

प्रश्नानुसार अवधारणात्मक समझ अच्छी है, सुझावानुसार और संतुलित व उत्कृष्ट उत्तर लेखन हेतु प्रयास करें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. शहर अपने निवासियों को गाँवों की तुलना में अज्ञातवास प्रदान करते हैं। विवेचना कीजिये कि कैसे शहरीकरण ने भारत में जातिगत पहचान को कम करने में मदद की है? (150 शब्द) 10

Cities offer relative anonymity to their inhabitants. Examine how urbanization has helped in diluting caste identities in India? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शहर, गाँवों की तुलना में सघन बसावट के क्षेत्र होते हैं, अतः वहाँ प्रति इकाई क्षेत्रफल में ग्रामों की तुलना में अधिक जनसंख्या निवास करती है। वर्तमान में भारत की 31.9% जनता शहरी है।

चूँकि शहरों में रोजगार व शिक्षा के बेहतर विकल्प उपलब्ध हैं, इसलिए विभिन्न जाति-धर्म के लोग अलग-अलग गाँवों से जाकर शहरों की सघन संकुल बस्तियों तथा बहुमंजिला इमारतों में किराये पर अनजानों की तरह रहने लगते हैं, अतः एक दूसरे के लिए अज्ञातवास में माने जा सकते हैं। दूसरी बात, शहरों में आजीविका उपार्जन

इसे संक्षेप में लिखें तथा लेखन के मुख्य विषय जातिवाद के संदर्भ में चर्चा करना बेहतर होगा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

के लिए व्यक्ति इतना ज्यादा व्यस्त रहता है, कि गाँवों के निवासियों की तरह एक-दूसरे से हाल-चाल की बतियानें का अवसर ही नहीं प्राप्त कर पाता है।

इस प्रकार शहरों में एक तो मुक्त समय कम मिलता है, दूसरा शहरी संस्कृति का खुलापन उन्हें जातिगत भेदभाव से दूर ले जाता है।

साथ ही शहर में एक-एक संस्था/फैक्ट्री में सैकड़ों अलग-अलग क्षेत्र व जाति के लोग साथ काम करते हैं, साथ कैंटीन में चाय पानी पीते हैं, तो जातिगत विचार गौण प्रतीत होने लगता है, और प्रेम व भाईचारा प्रधान।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

11. भारत में आज भी अस्पृश्यता कायम है। अस्पृश्यता के विरुद्ध उपलब्ध संवैधानिक सुरक्षा उपायों का उल्लेख कीजिये। भारत में अस्पृश्यता के उन्मूलन में आने वाली चुनौतियों का भी उल्लेख कीजिये? (250 शब्द) 15
Untouchability continues to persist in India even today. Mention the constitutional safeguards available against untouchability. Also enumerate the challenges faced in the eradication of untouchability in India? (250 Words) 15

हाल ही में अखबारों में छपा था कि उत्तराखण्ड की एक सरकारी विद्यालय में 'मिड डे मील' बनाने वाली महिला के हाथ का खाना खाने से बच्चों ने मना कर दिया।

ऐसी खबरें रोज ही देखने-सुनने को मिलती हैं। कहीं राजस्थान के किसी गाँव में तथाकथित उच्च जाति के दबंगों द्वारा दलित जाति के दूल्हे को घोड़ी से उतार दिया जाता है, यहाँ तक कि जयपुर जिले के एक गाँव में नव चयनित भारतीय सिविल सेवक, जो तथाकथित दलित जाति के थे, उनकी बरात भी दबंगों के डर से पुलिस थाना में निकलने की खबर आई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त उदाहरण इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था भी अभी जातिगत भेदभाव व अस्पृश्यता को मिटाने में पूरी तरह सफल नहीं है।

भारतीय संविधान में अस्पृश्यता के संबंध में अनुच्छेद-17 में बाकायदा सुरक्षा उपाय दिए गए हैं। जिनके तहत केन्द्रीय कानून के तहत ऐसे व्यक्ति कठोर सजा के भागीदार होंगे, जिन्होंने किसी भी रूप में अस्पृश्यता जैसे सामाजिक कलंक को बढ़ावा दिया हो।

अन्य प्रावधानों की भी चर्चा का प्रयास करें - अनुच्छेद 15 - SC/ST Act 1989 etc.

भारत में अस्पृश्यता उन्मूलन में निम्न चुनौतियाँ —

(1) शिक्षा व्यवस्था में नैतिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

व मानवीय आदर्श मूल्यों की कमी के चलते छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी एक दूसरे को जातिसूचक शब्दों से चिढ़ाते रहते हैं।

(2) समाज का परम्परागत सोच में जकड़े होना, जिससे आज भी कुछ परिवार कई अनजान लोगों को घर के नल से पानी तक नहीं पीने देते।

(3) कई बार पुलिसकर्मी भी अपराधियों की जाति पूछकर ही पूर्वाग्रह के चलते उनके साथ अत्याचार बढ़ा देते हैं।

हालांकि हाल ही के दशकों में अस्पृश्यता पहले के मुकाबले बहुत कम हुई है, पर नागरिक समाज व प्रशासन को मिल जुलकर इस दाग को समाज से साफ करना है।

6/15

प्रश्नानुरूप तथ्य आवश्यक पक्षों की संतुलित चर्चा कर और प्रभावी उल्लेखन का प्रयास करें

सुझावात्मक उपायों के साथ स्पष्ट निष्कर्ष लिखने का प्रयास करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. वर्साय की संधि अस्थिर शांति का अस्थायी आधार थी। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Treaty of Versailles was a patchwork for unstable peace. Comment. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्ष 1914 में शुरू हुआ प्रथम महायुद्ध 1919 में वर्साय की संधि के ही साथ समाप्त हुआ।

वर्साय की संधि हेतु 14 सूत्री बिन्दु तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने तय किए थे, तथा इस संधि के पक्षकारों में जर्मनी को छोड़कर बाकी फ्रांस-ब्रिटेन व अमेरिका शामिल थे।

ऐसे में वर्साय की संधि एक प्रकार से जोर जबरदस्ती थोपी गई व अन्यायपूर्ण भी कही जा सकती है, जिसने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उदाहरण के साथ स्पष्ट करें

फ्रांस को

जर्मनी पर निम्न कठोर प्रतिबंध लगाए

1. जर्मनी के दक्षिणी अफ्रीकी उपनिवेश व कई अन्य प्राकृतिक संसाधनों से युक्त क्षेत्र (जैसे ~~सार~~ सार, SAAR) मित्र राष्ट्रों को देने के लिए बाध्य किया गया।

2. जर्मनी की तत्कालीन क्षमता से भी ज्यादा 6600 मिलियन पाउंड का युद्ध हर्जाना, जिसे बाद में कम करके 2000 मिलियन पाउंड किया गया।

3. जर्मनी के सभी वायुयान, युद्धक जहाज व टैंक छीन लिए, तथा मात्र 1 लाख तक ही सैनिक रखने को बाध्य किया गया, एक प्रकार से दमनकारी कदम थे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अतः यह संधि, जिसमें जर्मनी की अपनी कोई प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष सहमति नहीं थी, एक प्रकार से अस्थायी संधि की कही जाएगी।

इस वर्साय की संधि ने जर्मन जनता, मुख्य रूप से नाजियों के मन में एक रोष उत्पन्न किया। वे लोग भावी बदले की भावना से भर गए तथा उग्र राष्ट्रवाद ने जन्म लिया हिटलर के नेतृत्व में। और अन्ततः यह संधि तोड़ दी गई, तथा पुनः एक नए युद्ध की, विश्व-युद्ध-II की शुरुआत हो गई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. भारत जैसे देश में क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिये एक चुनौती है। इस कथन पर टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Regionalism is a challenge to national unity and integrity in a country like India. Examine. (250 Words) 15

भारत जैसे विकासशील देश के लिए जहाँ अभी आर्थिक प्रगति की ऊँची उड़ान लेना बाकी है; क्षेत्रवाद, जातिवाद, साम्प्रदायिक दंगे व तनाव सबसे बड़ी चुनौती बन रहे हैं।

क्षेत्रवाद से आशय है, जब किसी क्षेत्र के स्थानीय लोग अपनी संस्कृति, परम्पराओं, आर्थिक गतिविधियों व भाषा के नाम पर स्वयं को बाकी देश-वासियों से अलग समझने लगें, तथा अपने हितों को प्राथमिकता देने लगें बिना संवैधानिक मूल्यों की परवाह किए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उदाहरण- के लिए महाराष्ट्र में बीते कई दशकों से म० न० से० – महाराष्ट्र नव-निर्माण सेना ने उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान से वहाँ जाने वाले मजदूरों व कारीगरों का विरोध किया, तो यह एक क्षेत्रवाद का ही रूप था।

क्षेत्रवाद के राष्ट्र निर्माण में नुकसान

(1) आर्थिक समानता को चुनौति।

(2) देश के संसाधनों का केन्द्रीकरण

(3) ~~नए~~ नई सोच, नई प्रतिभा को मौका न मिलने से मानव पूँजी का नुकसान

(4) आर्थिक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की कमी के चलते कार्यों की गुणवत्ता में कमी।

(5) भाईचारे की भावना को धक्का।

(6) सांस्कृतिक व भाषाई मेल-जोल के अभाव मे लोगों में दूरी और ज्यादा बढ़ेगी, जिससे एक वक्त ऐसा आ सकता है कि पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों की तरह लोग एक अब राज्य के भीतर एक नए राज्य या देश के भीतर एक नए देश की आवाज उठाने लगे।

अतः क्षेत्रवाद जब तक स्थानीय लोगों की उन्नति-प्रगति के लिए है, तब तक ठीक है, इसके अलावा इसे राजनैतिक हथियार बनाना भारत देश की अखंडता पर ही चोट हो सकती है।

5½/15

प्रश्न के मांग अनुरूप सुझावानुसार और संतुलित उत्तर लेखन का प्रयास करें

क्षेत्रवाद के कुछ सकारात्मक प्रभावों की भी चर्चा कर संतुलित निष्कर्ष लेखन का प्रयास करें
जैसे- क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा मिलना
- क्षेत्रीय विकास से प्रादेशिक असमानता का कम होना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

14. आपकी राय में, क्या राज्यों के भाषायी पुनर्गठन ने भारत को लाभ या हानि पहुँचाया है? (250 शब्द) 15
In your opinion, has the linguistic reorganization of states helped or harmed India. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भाषाई आधार पर राज्यों के ~~पुनर्~~ पुनर्गठन की नींव 1920 के नागपुर अधिवेशन में देखी जा सकती है, जब भाषाई आधार पर कांग्रेस कार्यसमितियाँ बनाने की बात कही गई थी।

तत्पश्चात 1928 की मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट में इस बात पर बल दिया गया। अतः देश के आजाद होते ही देश के विभिन्न हिस्सों से भाषा के आधार पर नए राज्य गठन की माँग उठने लगी। और कई जाँच समितियों के पश्चात अन्ततः 1953 में बनी एक समिति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की सिफारिश पर आंध्र प्रदेश भाषाई आधार पर गठित प्रथम राज्य बना।

तत्पश्चात महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब जैसे कई और राज्य भी भाषा के आधार पर बने, जिन्होंने देश को निम्न प्रकार से लाभ पहुँचाया।

(1) अपेक्षाकृत छोटे राज्य हो जाने से प्रशासनिक प्रबंधन बेहतर हुआ।

(2) क्षेत्रीय लोगों ने अपेक्षाकृत ज्यादा अधिक उन्नति के मौके पाये।

(3) अपनी भाषा, बोली व कुछ हद तक परम्पराओं को संरक्षित रख पाये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

नुकसान -

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(1) इसे कुछ राजनेताओं ने एक राजनीतिक हथियार बना लिया जिससे यदा-कदा नए राज्यों के निर्माण के लिए आवाजें उठते रहते हैं।

(2) इससे कट्टर क्षेत्रवाद को बढ़ावा मिला, जिससे कई बार अपने ही देश के नागरिकों के संवैधानिक मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है।

(3) इसने देश की एकता व अखण्डता को भी क्षति पहुँचाई है, जो कि उपरोक्त फायदों की तुलना में एक अपूरणीय क्षति है।

अंत में संक्षिप्त सारगर्भित निष्कर्ष लिखना बेहतर होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. लैटिन अमेरिका को उपनिवेशवाद से मुक्ति मिलने के बाद भी स्वतंत्र नहीं कहा जा सकता था। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Latin America was far from being independent even after decolonization. Examine. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तरी अमेरिका महाद्वीप व दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के बीच बसे द्वीपीय राष्ट्रों के समूह को ही मध्य अमेरिका या लैटिन अमेरिका कहा जाता है।

हालांकि अभी-अभी हाल ही में लैटिन अमेरिका का एक देश पिछले 250 वर्षों का उपनिवेश रहने के बाद स्वतंत्र प्रभुत्व सम्पन्न गणराज्य बना है।

परन्तु आज भी इस क्षेत्र के छोटे-छोटे द्वीपीय राष्ट्र अपने आर्थिक-राजनीतिक हितों के लिए प्रायः बड़े देशों जैसे संयुक्त

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

राज्य अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको, आदि पर निर्भर हैं।

ये देश स्वतंत्र होकर अपनी पूर्णतया स्वतंत्र विदेश नीति बनाने में भी सक्षम नहीं हैं- जैसे- ग्वाटेमाला, सूरीनाम आदि.

अतः स्वतंत्र होकर भी आज ये नवीन-उपनिवेशवाद से आजाद नहीं हैं। हालाँकि नव-उपनिवेशवाद इन पर थोपा नहीं गया है। आने वाले वक्त में सशक्त पूर्ण स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्रों के रूप में उभर सकते हैं।

अन्य बाह्य कारकों की भी चर्चा का प्रयास करें

जैसे- स्पष्ट सीमाओं का अभाव

* राजनीतिक अस्थिरता etc

4½/15

सुझावानुसार विश्लेषण में और परिपक्वता लाने का प्रयास करें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में, भाषा न केवल देश की विविधता का प्रतिबिंब है, बल्कि जाति व्यवस्था, सांस्कृतिक उत्पीड़न और सामाजिक असमानताओं की वाहक भी है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

In India, language is not only a reflection of the diversity of the country but is also the carrier of the caste system, cultural oppressions and societal inequalities. Comment. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत देश विविधताओं से भरपूर देश है। यहाँ के लिए एक कहावत है —

"चार कोस पर बदले पानी,
आठ कोस पर बानी।"

अर्थात् भारत में पानी का स्वाद और बानी (वाणी / बोली / भाषा) चार या आठ-दस कोस/किमी. पर बदल जाती है।

प्रायः भिन्न क्षेत्र की भाषा थोड़ी भिन्न होगी, उस क्षेत्र विशेष की संस्कृति, परम्पराएँ, पहनावा व रीति-रिवाज भी भिन्न-भिन्न होंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

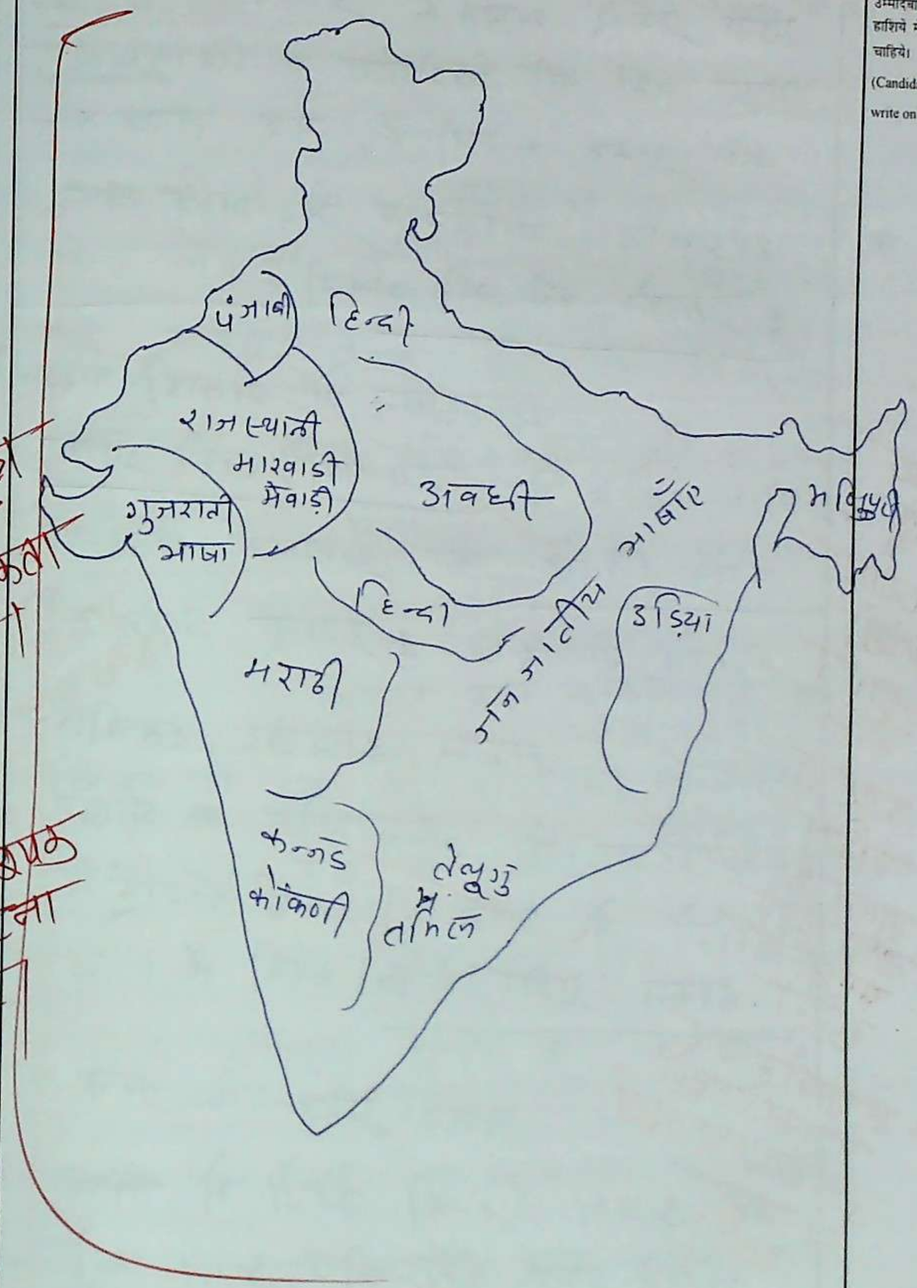

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस प्रकार भारत के प्रत्येक क्षेत्र की भाषा वहाँ की विशेषता व विविधता को प्रकट करती है, पर साथ ही क्षेत्रवाद, जातिगत भेद-भाव व कुप्रथाओं की भी जननी है।

राजस्थान में मेवाड़ी-मारवाड़ी भाषा क्षेत्र में कन्या वध, सति प्रथा बाल विवाह का प्रचलन बढ़ा था, जिनमें से कुछ कुप्रथाएं आज भी हैं।

जबकि झारखंड, छत्तीसगढ़ ओडिशा के जनजातीय भाषा क्षेत्रों में आज भी कई जगह डायन प्रथा देखी जाती है।

उत्तर-प्रदेश के ब्रज भाषी अवध-हिन्दी क्षेत्रों में ~~ऊँच~~ जाति-गत ऊँच नीच आज भी देखने को मिलती है, जिसे सुधारना अब वक्त की आवश्यकता हो गई है।

*अन्य बिंदु — रोजगार संबंधी बाधा व भेदभाव; * उत्तर व दक्षिण भारत के मध्य हिंदी भाषा मुद्दा; * भाषायी आधार पर जाति समूहों द्वारा आरक्षण संघर्ष Ex जाट आदि*

विषयवस्तु पक्षता को और बेहतर किए जाने की आवश्यकता है

4/10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. कोरियाई युद्ध को समाप्त करने वाले "युद्धविराम समझौते, 1953" को लागू करवाने में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Highlight the role played by India in effectuating the "Armistice Agreement, 1953", that ended the Korean War. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कोरियाई युद्ध के कारण व इसके विभाजन के संदर्भ में चर्चा कर प्रभावी परिचय लिखा जा सकता है

आजादी के बाद भारत ने पंडित नेहरू के नेतृत्व में पंचशील सिद्धांतों के आधार पर आपसी प्रेम, भाईचारे तथा अहस्तक्षेप की विदेश नीति का पालन किया था।

भारत उस समय द्विध्रुवीय विश्व में न तो अमेरीकी नेतृत्व में NATO का सैनिक साझेदार था, न कि सोवियत संघ के नेतृत्व वाले वारसा पैक्ट का हिस्सा बना, बल्कि गुट-निरपेक्ष की नीति का पालन करते हुए अपनी एक अलग भूमिका निभाई

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर कोरिया व दक्षिण कोरिया के बीच चल रहे संघर्ष मे भारत ने भी अपनी भूमिका निभाते हुए, "युद्ध विराम समझौते 1953" की शर्तों व प्रावधानों को मान्यता दी तथा दोनों नव-सृजित स्वतंत्र राष्ट्रों के साथ समानता का व्यवहार करते हुए युद्ध विराम करवाने में अहम् भूमिका निभाई।

2/15

भारत द्वारा इस युद्ध पर दी गयी प्रतिक्रियाओं व गतिविधियों की चर्चा करनी है - चिकित्सा [illegible] हेतु - सुरक्षा परिषद में चीन का समर्थन आदि

संवेदनशीलता तथा [illegible] दोनों स्तरों पर प्रयास की आवश्यकता है

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका पर प्रकाश डालिये। साथ ही उसकी रक्त और लौह की नीति के बारे में भी चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the role of Bismarck in the unification of Germany. Also, talk about his policy of blood and iron. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रश्नसंगत सटीक परिचय लिखें

द्वितीय विश्व युद्ध में बुरी तरह हार चुके जर्मनी के लिए बर्लिन की दीवार एक और बड़ी चुनौती थी जिसने जर्मनी को लगभग दो भागों में बाँट दिया था।

जर्मन लोगों के दो गुट, जिनकी सोच व महत्त्वाकांक्षाएं एक-दूसरे से मेल नहीं खाती थी, उन्होंने जर्मनी को प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए दो भागों मे बाँट दिया था, जिसका एकीकरण करवाने,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1½/15

में बिस्मार्क ने कठोर नीति का पालन निम्न प्रकार से किया -

(1) विद्रोहियों को पकड़कर कठोर सजा दी गई।

(2) आपसी भेद-भावों को मिटाकर एक संयुक्त जर्मनी की विचारधारा का संचार जनता में किया।

बिस्मार्क के सैन्य, कूटनीतिक गठबंधनों आदि के संदर्भ में चर्चा कर

रक्त और लौह नीति के आशय, उसके प्रभाव की चर्चा कर

समग्र संतुलित निष्कर्ष लिखें

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं और यह साम्राज्यवाद से किस प्रकार भिन्न था? (250 शब्द) 15

What do you understand by colonization, and how was it different from Imperialism?
(250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद से आशय है, यदि कोई समृद्ध राष्ट्र अपने आर्थिक हितों की पूर्ति के लिए, किसी अन्य प्राकृतिक साधन सम्पन्न राष्ट्र या रणनीतिक महत्व रखने वाले देश में, अपनी आवाजाही बढ़ाता है, तथा एक प्रक्रिया के तहत उस राष्ट्र को मजबूर कर अपने हितों की पूर्ति में उनका शोषण करता है, तो इस नीति को उपनिवेशवाद कहते हैं।

उदाहरण के लिए, ब्रिटिश भारत 1947 में आजादी मिलने तक एक प्रकार से ब्रिटेन का उपनिवेश था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साम्राज्यवाद मे एक देश किसी अन्य देश पर आक्रमण कर या डरा-धमका कर राजनीतिक नियंत्रण भी हासिल कर लेता है।

उदाहरण- द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत मे जर्मनी का पौलेंड पर हमला करना और भूमि छीन लेना साम्राज्यवाद था।

उपनिवेशवाद	साम्राज्यवाद
① राजनीतिक हस्तक्षेप एक सीमा तक ही।	सम्पूर्ण राजनीतिक हस्तक्षेप।
② मुख्य उद्देश्य आर्थिक लाभ कमाना	मुख्य उद्देश्य भूभाग को अपने देश में मिलाना।
③ प्रत्यक्ष रूप से युद्ध की संभावना कम	युद्ध की प्रमुख भूमिका
④ स्थानीय सरकारें कार्यशील रहती हैं। अर्थात मूल देश की एक राजनैतिक प्रक्रिया जारी रहती है।	स्थानीय सरकारें अर्थात राष्ट्रीय सरकारें बरखास्त कर दी जाती हैं। और सरकारें आक्रमणकारी देश का हिस्सा बन जाती हैं।
उदा. इंग्लैण्ड का भारत, श्रीलंका इंडोनेशिया उपनिवेश थे।	उदा. हाल ही मे रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करना साम्राज्यवाद की कोशिश थी।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष लिखा जा सकता है

8/15

प्रश्न अनुरूप उत्तर लेखन का बेहतर प्रयास किया गया है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की व्यवस्था की चर्चा कीजिये जो 1994 में समाप्त हो गई। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को समाप्त करने में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका का उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the system of Apartheid in South Africa which came to an end in 1994. Mention the role played by India in bringing apartheid to an end in South Africa. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दक्षिण अफ्रीका दक्षिण गोलार्द्ध में विषम जलवायु व प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर एक राष्ट्र है, जिसे इंग्लैण्ड ने भारत की तरह ही वर्षों से उपनिवेश बना रखा था।

इंग्लैण्ड निवासी प्राय: ठण्डे प्रदेशों से होने के कारण त्वचा के रंग के मामले में अफ्रीकीयों से गोरे थे, अत: वे नस्लीय श्रेष्ठता से ग्रसित थे, इसलिए वक्त के साथ उन्होंने रंगभेद की हद कर दी। वे स्थानीय काले लोगों के लिए चलने के रास्ते,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खाना खाने के रेस्टोरेंट, ढ़ाबे इत्यादि में प्रवेश नहीं करते थे, व अपने लिए जो निर्धारित स्थानों पर उनको आने से प्रतिबंधित करते थे। तथा उनसे अमानवीय किस्म के कार्य विपरीत परिस्थितियों में करने के लिए बाध्य करते थे; उन्हें दास बना कर शोषण किया जाता था।

जिसके खिलाफ गाँधीजी के नेतृत्व में एक सशक्त आवाज भी उठी थी; जिससे स्थानीय लोगों में आत्म-सम्मान व साहस की भावना जगी।

हालांकि यह व्यवस्था (उनकी आजादी के बाद भी) चलती रही और गाँधीवादी नेल्सन मण्डेला ने इस रंगभेद की नीति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के विरुद्ध आन्दोलन चलाया और अन्ततः उन्हें इसे समाप्त करने में सफलता मिली।

भारत ने गाँधी जी के आदर्शों पर चलते हुए हमेशा उनका इस आन्दोलन में साथ दिया। नेल्सन मण्डेला के पक्ष को समर्थन देकर उनकी मदद की।

अन्य बिंदु
* अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में रंगभेद से मुक्ति हेतु भारत द्वारा समर्थन
* द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दक्षिण अफ्रीका का भारत द्वारा समर्थन आदि

7/15

विषयवस्तु की समझ अच्छी है, विश्लेषण अच्छा है, सुझावात्मक और उदाहरण दिया जा सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation